संचारिका

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से प्रकाशित मासिक गृह पत्रिका

o"k% 02 vad% 01
tuojh 2019

संरक्षक मंडल

प्रो. जे. वी. वैशंपायन
कुलपति

प्रो. देवेश निगम
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

राम प्रकाश
प्रभारी कुलसचिव

धर्मपाल
वित्त अधिकारी

संपादक मंडल

मुख्य संपादक
डॉ. सी. पी. पैन्यूली

संपादक
डॉ. कौशल त्रिपाठी

संपादक मंडल
डॉ. उमेश कुमार
जयसिंह
उमेश शुक्ल
राघवेन्द्र दीक्षित
अभिषेक कुमार

ई. कन्टेंट एडिटर
डॉ. दीपक तोमर

छायांकन
सतीश साहनी

ब्लॉग
https://busancharika.blogspot.com/

ईमेल
sancharika@bujhansi.ac.in

भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से प्रकाशित एवं मुद्रित।

बी.यू. बन सकता है कौशल विकास का हब: कुलपति

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत इस क्षेत्र के निवासियों की स्थिति में सुधार ला सकता है। इस सम्बन्ध में भारत सरकार के कौशल विकास मन्त्रालय की अपर सचिव जूथिका पाटंकर तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. वी. वैशम्पायन के मध्य विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। अपर सचिव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने विश्वविद्यालय के कुलपति से भेंटकर इस सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय परिसर के आर्किटेक्चर संस्थान के सभागार में प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बी.टेक. के छात्रों के साथ विचार–विमर्श कर कौशल विकास की योजनाओं पर उनके विचार जाने।

कुलपति कमेटी कक्ष में कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय

परिसर में संचालित विभिन्न संस्थानों के विभागाध्यक्षों तथा समन्वयकों की एक बैठक हुई। बैठक में अपर सचिव जूथिका पांटकर ने भारत सरकार की कौशल विकास से सम्बन्धित योजनाओं तथा उनके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होने यह जानने का प्रयास किया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थान इस योजना में किस प्रकार सहयोगी बन सकते हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से प्रो.सुनील काबिया, प्रो. बी. गंगवार, डा. रामबीर सिंह, डा. डी. के. भट्ट, डा. रमेश कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये तथा कौशल विकास के विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तुत किये। प्रतिनिधि मण्डल में सम्मिलित झांसी के मुख्य विकास अधिकारी, प्रति. निधि मण्डल के सदस्य श्री मनीश कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

अन्त में कुलपति प्रो. वैशम्पायन ने यह विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास के लिए विश्वविद्यालय के सभी विभाग अपना हर सम्भव प्रयास करेंगे।

विश्वविद्यालय ने किए विद्यार्थियों के दस्तावेज ऑनलाइन

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना नेशनल एकेडमिक डिपाजिट्री में महत्वपूर्ण योगदान करते हुए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय ने वर्ष 2015 से संचालित सभी परीक्षाओं का रिकार्ड ऑनलाइन कर दिया है। एनएडी के अन्तर्गत यह व्यवस्था की गई है कि देश के सभी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के दस्तावेज ऑनलाइन किए जाए जिससे कि उनका वेरिफिकेशन सरल और सुलभ हो सके। इसी के तहत बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय ने यह कदम उठाया है।

वर्तमान इलेक्ट्रॉनिक्स तो भविष्य फोटोनिक्स पर होगा निर्भर : प्रो. माही आर. सिंह

वर्तमान सदी में जहां सारा ब्रहमाण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स के द्वारा नियंत्रित हो रहा है तो भविष्य में फोटोनिक्स का बोल–बाला होगा। यह विचार कनाडा की वेस्टर्न ओंटारियो विश्वविद्यालय में भौतिकी तथा खगोल विज्ञान विभाग के प्रो. माही आर. सिंह ने व्यक्त किए। प्रो. सिंह भौतिकी विभाग के द्वारा विज्ञान भवन के सभागार में 'एप्लीकेशन ऑफ नैनो साइंस टू टेक्नोलॉजी एण्ड मेडिसिन' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में उपस्थित शिक्षकों तथा छात्रों को संबोधित कर रहे थे। प्रो. सिंह ने कहा कि नैनो तकनीकी में प्रयुक्त किया जाने वाला ग्राफीन कार्बन की एक द्विआयामी परत होती है। उन्होंने फोटोनिक क्रिस्टल तथा मेटा मटीरियल के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि नैनो पार्टिकल का उपयोग वर्तमान में किस प्रकार चिकित्सा हेतु किया जा रहा है। प्रो. सिंह ने जानकारी दी कि नैनो पार्टिकल की सहायता से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का उपचार किया जा सके, इस दिशा में प्रयोग जारी है। नैनो तकनीकी की मदद से निष्क्रिय मस्तिष्क को पुनः सक्रिय किया जा सकेगा है। प्रो. सिंह ने कहा कि भविष्य के लिए मानव के वस्त्रों को नैनो पार्टिकल की सहायता से तैयार किया जा सकेगा, जिससे वे मानव के शरीर के तापमान आदि के बारे में जानकारी दे सकें।

प्रो.सिंह ने जर्मनी में ग्राफीन के आविष्कारक तथा नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. पी. आर. वॉलेस के साथ अपने शोध अनुभवों को उपस्थित श्रोताओं के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, परन्तु उन्हें सही दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रो. सिंह ने कहा कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को उनके द्वारा जो भी संभव हो, वह मदद करने को तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि प्रो. माही आर. सिंह बुन्देलखण्ड के हमीरपुर जिले के मौदहा तहसील के एक छोटे से गांव के रहने वाले मूल निवासी है।

कार्यक्रम के प्रा. रम्भ में संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. एम. एम. सिंह ने अतिथियों को स्वागत किया। आमंत्रित अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का संच. ालन डा.कुसुम सिंह ने किया जबकि आमंत्रित अतिथियों का आभार डा. बी. एस. भदौरिया ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर डा. डी. के. भट्ट, डा. महेश दत्त, डा. एस. के. श्रीवास्तव, डा. पूनम मेहरोत्रा, डा. कौशलेन्द्र चतुर्वेदी, डा. प्रकाश चन्द्रा, डा. आदित्य नारायण सिंह, डा. भानुमति सिंह, डा. आर. डी. कुदेशिया, डा. सपना रानी, डा. गौरी खानविलकर, डा. जोंस मैथ्यूस, डा. सर्वेन्द्र सिंह, तथा विभिन्न विषयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं और छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

व्याख्यान के संयोजक डा. बी. एस. भदौरिया ने बताया कि व्याख्यान के पश्चात प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैशम्पायन से भी शिष्टाचार भेंट की तथा दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान तथा तकनीकी विकास और हस्तांतरण के क्षेत्र में सम्भावनाओं पर भी विचार –विमर्श किया।

पत्रकारिता विभाग के छात्रों ने किया गांव का शैक्षणिक भ्रमण

विश्वविद्यालय के भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने रक्सा गांव का शैक्षणिक भ्रमण किया।

पत्रकारिता के छात्रों के लिये आवश्यक है कि वे गांव के जीवन को निकट से देखें। गांव के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में जाने। विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कई विकासपरक योजनाओं की समीक्षा की। पत्रकारिता विभाग के शिक्षक डा. उमेश कुमार एवं उमेश शुक्ल के निर्देशन में इस शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के समन्वयक डा. कौशल त्रिपाठी ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण व्यवहारिक शिक्षा के लिये आवश्यक है। उपचार्य डा. सी. पी. पैन्यूली ने कहा कि गांव में बसने वाला भारत ही वास्तविक भारत है।

अब मिलेगी ऑनलाइन डिग्री

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करते हुए उपाधि और स्थानान्तरण प्रमाण पत्र को ऑनलाइन कर दिया है। जिसके अन्तर्गत विद्यार्थी को इसके लिए विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

गौरतलब है कि पूर्व में उपाधि प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों को उसके लिए विश्वविद्यालय में आना पड़ता था। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत यह व्यवस्था की गई है कि कोई भी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करके उसे आपने पते निर्धारित समयावधि में प्राप्त कर सकता है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के सिस्टम एनालिस्ट डा. दीपक तोमर ने बताया कि छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत उनका जांच किया जाता है तथा निर्धारित समय में उसके निर्गत कर दिया जाता है।

अब रोज़गार में नहीं पिछड़ेंगे बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के विद्यार्थी: प्रो. प्रतीक अग्रवाल

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्रों को अब रोज़गार के लिये मेट्रो शहरों की तरफ भागना नहीं पड़ेगा। अब कंपनियां सीधे विश्वविद्यालय से ही छात्रों को अवसर देंगी।

पिछले दो कुछ वर्षों से विश्वविद्यालय का ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल कई कंपनियों को छात्र–छात्राओं को रोज़गार के मौके मुहैया करा रहा है। लेकिन कुछ कमियों के कारण छात्र–छात्राएं इसका लाभ नहीं ले पा रहे थे। इसी को ध्यान में रखते हुए एवं छात्रों की कमियों को दूर करने के लिए **'सॉफ्ट इंप्लायमेंट स्किल्स'** की ट्रेनिंग विश्वविद्यालय में प्रदान की जा रही है जिससे विद्यार्थियों को रोजगार में असानी होगी।

सॉफ्ट इंप्लायमेंट स्किल्स पर रहेगा जोर

'सॉफ्ट इंप्लायमेंट स्किल्स' के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, प्रस्तुतीकरण, साक्षात्कार में बरती जाने वाली सावधानियों एवं किस प्रकार अपने बायोडाटा का निर्माण किया जाय आदि पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया गया।

30 घंटे की ट्रेनिंग दिलायेगी सफलता

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल प्रभारी प्रो. अग्रवाल ने बताया की जनवरी से कंपनियों का आना शुरू हो जाएगा। उसके बाद विश्वविद्यालय में जॉब फेयर लगेगा। इसी को ध्यान रखते हुए दिसम्बर से ही छात्रों को तैयार किया जा रहा है। जिससे छात्र आने वाले रोज़गार के मौके भुना सके। इस अवसर विशेषज्ञ आशीष अत्री एवं मनीष गुप्ता ने कहा की यह कार्यक्रम निश्चित ही छात्रों के लिये उपयोगी साबित होगा। इस प्रशिक्षण के द्वारा विद्यार्थियों में एक तरह से आत्मविश्वास की विकास होगा तथा साक्षात्कार के समय की जाने वाली सामान्य गलतियों से बचा जा सके जिससे चयन की संभावना में वृद्धि होना संभव है।

प्लेसमेंट की तैयारी में जुटा विश्वविद्यालय

प्रदेश में अग्रणी विश्वविद्यालय में से एक बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय अब देश के बड़े विश्वविद्यालय से प्लेसमेंट को लेकर पिछड़ता रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब छात्रों का विश्वविद्यालय से सीधे ही रोज़गार के अवसर देने की प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास प्रारंभ कर दिये हैं। रोज़गार के अवसर बढ़ने से विश्वविद्यालय में एडमिशन लेने वालों की संख्या में भी वृद्धि होगी।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय करेगा कैरियर काउंसिलिंग कार्यशाला का आयोजन

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक, झांसी के संयुक्त तत्वावधान में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विद्यार्थियों के कैरियर मागदर्शन के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 17 जनवरी 2019 को प्रातः 10 बजे से बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी के गांधी सभागार में आयोजित की जाएगी।

गौरतलब है कि इन्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी अपने कैरियर तथा भविष्य को लेकर आशंकित रहते हैं। ऐसे में समुचित जानकारी न होने एवं सही सलाह न मिल पाने के कारण वे अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार उच्च शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम का चयन नहीं कर पाते हैं। जबकि इस अवसर पर आवश्यकता इस बात की होती है कि उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान किया जाये, जिससे वे सही पाठ्यक्रम का चयन कर अपने तथा देश का भविष्य उज्जवल कर सकें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. वी. वै. शम्पायन ने बताया कि विद्यार्थियों की इसी आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुये विश्वविद्यालय द्वारा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विभिन्न जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए काउंसिलिंग तथा इन्. टेरेक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राएं अपने कैरियर से सम्बन्धित जिज्ञासाओं का निवारण कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में संचालित हो रहे पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी जायेगी ताकि

मानवता के कल्याण के लिए कार्य करें

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विभाग में आयोजित विशेष कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को विश्व मानव अधिकार दिवस और इसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रमुख डा. सी. पी. पैन्यूली ने कहा कि जो व्यवहार आप को अच्छा नहीं लगता वो भला दूसरों को कैसे अच्छा लग सकता है। यदि सभी केवल इसी बिंदु पर विचार कर लें तो समाज की दशा और दिशा बदल जाएगी।

एनसीसी कैडेट्स के अनुशासन और चारित्रिक विकास में सहायक: प्रो. सहगल

राष्ट्रीय कैडेट कोर में प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स को दी जाने वाली उच्च स्तरीय सैन्य प्रशिक्षण उनके अन्दर अनुशासन तथा चारित्रिक विकास में सहायक होता है। इस कारण से हर छात्र–छात्रा के लिए एनसीसी का प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिये।

यह विचार विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रो.वी.के.सहगल ने व्यक्त किये। प्रो. सहगल आज बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में एनसीसी के 15 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय परिसर में संचालित शिक्षा संस्थान के सभागार में आयोजित गेट टूगेदर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैडेट्स को सम्बोधित कर रहे थे।

विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी प्रो. सुनील काबिया ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि 15 वर्ष पूर्व विश्वविद्यालय में एनसीसी की का शुभारम्भ हुआ था तब से आज तक एनसीसी के कैडेट्स विश्वविद्यालय की शान के रूप में रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एनसीसी के 8 कैडेट को आर्मी अथवा वायु सेना की विंग में कमीशन प्राप्त हो चुका है। तथा विश्वविद्यालय के कैडेट्स के द्वारा निरंतर 26 जनवरी को राजपथ पर भारत के राष्ट्रपति के समक्ष होने वाली होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। यह सब छात्रों के तथा उनके एनसीसी प्रशिक्षकों के कठोर परिश्रम का फल है। डा.काबिया ने कैडैटस का आव्हान किया कि वह पूरे मन से एनसीसी में कार्य कर देश सेवा में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में एनसीसी प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत सुबेदार मेजर जे. पी. शर्मा ने एनसीसी के 15 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी तथा कैडेट्स की उपलब्धियेां की सराहना की। कार्यक्रम में एन. सी.सी कैडेट्स ने एकल गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, मिमिक्री, कामेडी शो, रैप तथा भारतीय पा. रम्परिक नृत्य के विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

श्रमिकों का सशक्तिकरण आवश्यक

देश के कुल श्रम बल का 90 प्रतिशत असंगठित एवं ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत है। इसलिए इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को जागरूक करते हुए उनका सशक्तीकरण आवश्यक है।

उपरोक्त विचार पंजाब नेशनल बैक स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, हंसारी के निदेशक प्रदीप नागर श्रमिक सशक्तिकरण पर आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किए। विशिष अतिथि के रूप में बोलते हुए विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डा. सी.पी. पैन्यूली ने बेहतर इंसान के रूप में विकसित करते हुए हमें ईमानदारी से सरकारी योजनाओं का लाभ लेना चाहिये।

पुतुल शो के जरिये बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का संदेश

पुतुल शो के जरिये बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ तथा नारी सशक्तिकरण की अलख जगाने के लिए पूरे देश की यात्रा पर निकले अभिनय रंग मंच, हिसार के युवाओं का जत्था आज विश्वविद्यालय के ललित कला एवं पत्रकारिता संस्थान के विद्यार्थियों से रूबरू हुआ।

इस जत्थे ने ललित कला संस्थान में पुतुल शो करके नारी सशक्तिकरण और लैंगिक समानता का संदेश विद्यार्थियों को दिया।

जत्थे के द्वारा प्रद. र्शित पुतुल शो की अवधि करीब तेरह मिनट की रही। इसमें दर्शाया गया कि कैसे अपने लक्ष्यों के प्रति चैतन्य युवती घर और परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करती है। तमाम मानसिक दबावों के बाद भी वह अपनी गतिविधियों को निर्बाध रूप से जारी रखकर समाज में अपनी अहम मुकाम बनाती है। इस शो में देश की प्रख्यात महिला उद्यमियों के योगदान का भी जिक्र है। इस कार्यक्रम में अभिनय रंग मंच, हिसार के सांस्कृतिक जत्थे के सक्रिय सदस्यों राजेश भादू, अनूप बिश्नोई, तेजेंद्र और विशाल ने बताया कि वे सितंबर में हरियाणा के हिसार शहर से बाइक पर सवार होकर बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ और नारी सशक्तिकरण की अलख लोगों में जगाने की यात्रा पर निकले हैं। झांसी के बाद वे टीकमगढ़ समेत कुछ शहरों में अपना शो करने के बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल भी जाएंगे। उनकी कोशिश रहती है कि उनका शो शैक्षणिक संस्थान मे हो। वे रास्ते के गांवों को भी नारी सशक्तिकरण का संदेश पुतुल के जरिये देने का काम कर रहे। सबसे पहले यह विचार कला गुरु मनीष जोशी की प्रेरणा से मन में आया। हिसार के मशहूर व्यावसायिक घराने जिंदल स्टील्स लिमिटेड को प्रायोजक के रूप मे पाकर उनका हौसला बढ़ा। अब वे अपनी यात्रा पर हैं जिसमें वे युवाओं और समाज के लोगों की ओर से मिल रही प्रतिक्रिया से खासे उत्साहित हैं। वे अपनी करीब 6500 किमी की बाइक यात्रा फरवरी में पूरी कर लेंगे।

विलक्षण प्रतिभा के धनी थे अटल बिहारी वाजपेयी : प्रो. सहगल

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी वास्तव में एक अद्भुत और विलक्षण मानव थे। वाजपेयी जी विलक्ष प्रतिभा के धनी राजनेता एवं उदार हृदय कवि थे। यह विचार बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो.वी.के. सहगल ने व्यक्त किये।

प्रो.सहगल आज उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर के मैथिली शरण गुप्त हिंदी संस्थान के डा. बृन्दावन लाल वर्मा सभागार में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस की पूर्व सन्ध्या पर आयोजित 'अटल बिहारी वाजपेई के सपनों का भारत' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। प्रो.सहगल ने कहा की पूर्व प्रधानमंत्री एक उदार व्यक्तित्व, हिंदी प्रेमी, कुशल वक्ता, निडर रा. जनेता एवं कवि हृदय प्रधानमंत्री के रूप में संदैव जाने जायेंगे। यद्यपि वह एक राजनैतिक दल के सदस्य रहे है, परन्तु उनके लिए सारा भारत तथा उसमें निवास करने वाले देशवासी एक समान थे। प्रो.सहगल का कहना था कि पूर्व प्रधानमंत्री देश के चुनिन्दा सफल प्रधानमंत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर ही लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने कहा था कि इनके कण्ठ में सरस्वती का वास है, तो पं.नेहरू ने इन्हें अद्भुत वक्ता की उपाधि से नवाजा था। प्रभारी कुल. पति ने आव्हान किया कि देश को आज वाजपेयीजी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है, जिससे देश को उनके सपनों के अनुरूप बनाया जा सके।

इस अवसर पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री धर्मपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक निष्काम प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, वह राजनीतिक दल के सदस्य जरूर थे परन्तु उनके विरोधी राजनीतिक दल भी उनके निष्काम व राष्ट्रवादी विचारधारा का सदैव सम्मान करते रहे हैं।

एनएसएस का विशेष कार्यक्रम संपन्न

ललित कला संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय और पंचम इकाई के तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन डा. सी.पी. पैन्यूली की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पत्रकारिता संस्थान के शिक्षक उमेश शुक्ल ने विद्यार्थियों को विश्व मानवाधिकार दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा. मुहम्मद नईम ने कहा कि हमें एक दूसरे के विचारों का सम्मान करते हुए परस्पर भाईचारा के साथ आगे बढ़ना चाहिए। डा. अजय कुमार गुप्त ने भी विद्यार्थियों को मानवाधिकारों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में दिलीप कुमार, जयराम कुटार, आरती वर्मा समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। इसके साथ ही विद्यार्थियों को एनएसएस के महत्व और उसकी गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। डा. सुनीता ने आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में विश्वविद्यालय ने किया प्रतिभाग

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के निर्देश पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय राष्ट्रीय सेवा योजना के दस स्वयंसेवकों की एक दल कार्यक्रम अधिकारी डा० श्वेता पांडे के नेतृत्व में तिरुवंतपुरम में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. मुन्ना तिवारी ने बताया कि 4 छात्रों और 6 छात्राओं का यह दल 10–16 दिसंबर 2018 तक सत्य साई आर्ट्स एंड साइंस कालेज, साईग्राममु, तोनक्कल, के तिरुवंतपुरम में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

इन स्वयंसेवकों में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर से काजल, आशीष कुमार , मेघा अहिरवार और अभिषेक, आर्य कन्या महाविद्यालय से श्रुति सिंह गौर और प्रज्ञा, स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय से सागर वर्मा, भावना भारद्वाज, शिव अवतार एवं यश्वी खरे शामिल रहे। इस दल ने बुंदेली लो. कगीत, लोकनृत्य, लो. कचित्रकला (चितेरी) आदि का देश भर से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सम्मुख बुन्देलखण्ड का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के केरल से लौटे दस स्वयंसेवकों के दल के सदस्यों जिनका नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी डा. श्वेता पाण्डेय ने किया था, के सदस्यों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर डा. सी. पी. पैन्यूली, डा. उमेश कुमार, डा. कौशल त्रिपाठी, डा. पुनीत बिसारिया उपस्थित रहे। डा० मो. हम्मद फुरकान, डा० मो. हम्मद नईम, श्रीहरि त्रिपाठी, जयसिंह, नवीन चंद्र पटेल, डा० अमित तिवारी, डा० राधिका चौधरी, संजय कुमार, सतीश कुमार, कमल कांत उपाध्याय, रुचि मिश्रा, अंजनी कुमार उपाध्याय, ममता शुक्ला, जितेंद्र उपाध्याय और नितेश सिंह परमार उपस्थित रहे।

कुलपति से मिले विजेता विद्यार्थी

राष्ट्रीय युवा महोत्सव चण्डीगढ़ में 15 विद्यार्थी करेंगे प्रतिभाग

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में 34वें मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव संबलपुर विश्वविद्यालय उड़ीसा में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों एवं विजेता खिलाड़ियों के आगमन पर विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. जे. वी. वै. शम्पायन ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अंकों को प्राप्त करना ही नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपना प्रदर्शन दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव संगीत, साहित्य, गायन, कला एवं नाटक प्रतियोगिता के माध्यम से इस प्रकार के अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त करवाते हैं। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय सदैव से ही ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने का काम करता रहा है।

वित्त अधिकारी धर्मपाल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं तथा आ. पचारिक पढ़ाई समाप्त होने के उपरान्त ये उनकी याद का एक खुशनुमा पहलू बनते हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. देवेश निगम ने कहा कि इस युवा महोत्सव में टीम का नेतृत्व कर रही सांस्कृतिक समन्वयक डा. रेखा लगरखा तथा डा. कौशल त्रिपाठी ने बहुत ही उम्दा कार्य किया है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

34वें मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक रैली में प्रथम स्थान एवं ललितकला संबंधी प्रतियो. गिताओं में ओवरआल चैंपियनशिप प्राप्त की। इसके अन्तर्गत रंगोली, मेंहदी एवं कर्टुनिंग प्रतियो. गिता में प्रथम एवं क्ले माडलिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। साहित्यिक गतिविधियों में क्विज प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान व नाटक विधा के अन्तर्गत स्किट प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक समन्वयक डा. रेखा ने बताया कि विजेता खिलाड़ी चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित होने वाले 34वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रतिभाग करेंगे। यह प्रतियोगिता एक से पांच फरवरी 2019 के बीच आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर डा. सुनीता, डा. गुरुदीप कौर, डा. राधिका एवं विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द के आदर्श आज भी प्रासंगिक : डॉ. मुन्ना तिवारी

युवाओं को स्वामी विवेक. ानन्दजी के आदर्शों को आत्मसात करना चाहिये। उनके आदर्शों की प्रासंगि. कता आज भी है, तथा देश को आज उनकी सर्वाधिक आवश्यकता है।

यह विचार आज बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा येाजना के समन्वयक डा.मुन्ना तिवारी ने व्यक्त किये। डा.तिवारी आज ललित कला संस्थान के सभागार में स्वामी विवेकानन्द की 156वीं जयन्ती के उपलक्ष में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वितीय एवं पंचम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'विवेकानन्द और वर्तमान परिवेश में युवाओं की भूमिका' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डा.तिवारी ने कहा कि विवेकानन्द मात्र 39 वर्ष की छोटी सी आयु में ही भारत तथा भारतीय समाज को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर गये थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस पर हम सब उनके सपनो को साकार करने का प्रण करें और उनके द्वारा बताई गई युवाओं की विशेषता को अंगीकार करें क्योंकि विवे. कानंद जी के अनुसार, युवा वो है जो अनिति से लड़ता है, दुर्गुणों से दूर रहता है, काल की चाल को अपने सामर्थ से बदल सकता है।

किसान मित्र बनेगा विश्वविद्यालय: कुलपति

उन्नत भारत मिशन के अंतर्गत ग्राम मड़गुआँ, ब्लाक चिरगाँव में 'भूजल समस्या एवं औषधि पौधों का महत्व' विषय पर आयोजित एक दिवसीय किसान संगोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. वी. वैशंपायन ने कहा की विश्वविद्यालय कृषि एवं ग्रामीण परिवेश के लिये आवश्यक ज्ञान देने के लिये प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि प्राध्यापक प्रत्येक विषय पर आपकी सहायता के लिये उपलब्ध हैं। आवश्यकता है आपके द्वारा उसमें सहभागिता की। सही ज्ञान का उपयोग श्रम एवं धन दोनों को बचाने में सहायक है। विश्वविद्यालय एक अच्छे मित्र की तरह आपकी मदद के लिये तैयार है।

अन्ना जानवर भी हैं उपयोगी

मुख्य विकास अधिकारी प्रतिनिधि ने बताया की अन्ना जानवारों द्वारा दिये जाना वाला मुत्र एवं गोबर भी उपयोगी हैं इसलिये इन्हें खुला नहीं छोड़ना चाहिये। पशुपालन के विषय में अधिक जानकारी से आवारा एवं अन्ना जानवरों की समस्या का निदान पाया जा सकता है।

किसानों को किया सम्मानित

इस अवसर पर कृषि क्षेत्र में उन्नत कार्य एवं नवाचार की विधियों का

प्रयोग करने वाले किसानों को कुपलति, विशेषज्ञों एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। उन्नत भारत मिशन के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डा. जितेन्द्र बबेले ने संचालन एवं सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में डा. डी. के. भट्ट, डा. लवकुश द्विवेदी, डा. यतीन्द्र मिश्रा, डा. महेन्द्र कुमार, डा. अभिमन्यु सिंह आदि के साथ बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय करेगा नि:शुल्क मृदा एवं पानी की जाँच

कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सी. बी. सिंह ने कहा की विश्वविद्यालय में मृदा एवं पानी की जाँच करने की तकनीक उपलब्ध है। कृषक निशुल्क इसकी सेवा ले सकते हैं।

प्रो. एस.पी. सिंह ने कहा की रसायनिक खाद की जगह प्राकृतिक उर्वर्को को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। इससे पृथ्वी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होती है।

औषधि पौधों की खेती है लाभदायक

विषय विशेषज्ञ एवं डी.एस.टी. वैज्ञानिक डा. भूप सिंह एव डा. ए.के. सिंह ने कहा की औषधि पौधों की कृषि का महत्व दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने इसके लाभ एवं इसकी कृषि कैसे की जाए के संबध में किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर किसानों को लेमन ग्रास एवं ऐलोविरा के पौधों का वितरण भी किया गया। वर्तमान समय में औषधीय पौधे की मांग निरन्तर बढ़ती जा रही है। यह किसानों के लिए एक फायदे का व्यवसाय हो सकता है।

महिला सुरक्षा का प्रमुख हथियार है शिक्षा

महिलाओं की स्थिति में सुधार लाये बिना समाज का कल्याण सम्भव नहीं है। महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाकर उनकी स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शासन, प्रशासन के विभिन्न विभाग, समाज व परिवार मिलकर महिलाओं का सहयोग करें, ताकि वे न केवल शिक्षित हों, बल्कि आर्थिक रुप से सशक्त भी हों।

उपरोक्त विचार उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिनाँक 20 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2018 तक मनाये जा रहे ''नारी शक्ति आव्हान अभियान'' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय, द्वारा कोंछाभंवर में शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं सुरक्षा आदि विषयों को केन्द्रित कर आयोजित जागरुकता संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रुप में सम्बोधित करते हुए अधिसाशी अभियंता बी एल गुप्ता नगर निगम, झाँसी ने व्यक्त किये। जागरुकता संगोष्ठी की विशिष्ट अतिथि महिला थाना प्रभारी अर्चना सिंह ने महिला आत्म सुरक्षा की जानकारी दी।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य मधु सिंह ने लड़कियों की शिक्षा को महिलायों की सुरक्षा का महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा महिला सशक्तिकरण पर नुक्कड़ नाटक कर जागरुक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय एन एसएस समन्वयक डा मुन्ना तिवारी ने की। कार्यक्रम का संचालन कृषि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जीतेन्द्र बबेले ने किया।

बी.यू. में होगा युवा संसद का आयोजन

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर जनपद स्तरीय युवा संसदों का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी जिम्मेवारी राष्ट्रीय सेवा योजना को दी गई है।

विश्वविद्यालय, में जनपद स्तरीय युवा संसद का आयोजन आगामी 24 जनवरी 2019 को किया जायेगा, उसके पूर्व दिनांक 17, 18 व 19 जनवरी 2019 को प्रतिभागियों की स्क्रीनिंग विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सभागार में की जायेगी।

उपरोक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय, के एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मुन्ना तिवारी तथा युवा संसद, जनपद झाँसी के नोडल अधिकारी डॉ. मुहम्मद नईम ने बताया कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा बेहतर राष्ट्र के निर्माण तथा युवाओं के माध्यम से नवीन भारत के निर्माण हेतु आपसी चर्चा व विचारों के आदान-प्रदान के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा युवा संसद-2019 का आयोजन किया जा रहा है, जिसके लिए प्रतिभागियों की स्क्रीनिंग बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय परिसर में सचिालित हिन्दी संस्थान के सभागार में दिनाँक 17 से 19 जनवरी 2019 को प्रातः 10.00 बजे से की जायेगी। स्क्रीनिंग के उपरान्त मॉक संसद का भी आयोजन किया जायेगा। स्क्रीनिंग के माध्यम से चयनित 50 प्रतिभागियों को दिनांक 24.01.2019 को जनपद स्तरीय युवा संसद में प्रतिभागिता करने का अवसर प्रदान किया जायेगा।

डॉ. मुहम्मद नईम ने बताया गया कि युवा संसद में जिनकी आयु 30 जून 2018 को 18-25 वर्ष के मध्य हो प्रतिभाग कर सकते हैं।

ये होंगे चर्चा के विषय

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता, गरीबी, भ्रष्टाचार, आंतकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा, साम्प्रदायिकता, जातिवाद, सुशासन, पर्यावरण संरक्षण, एक देश-एक चुनाव, जो खेलेगा-वो खिलेगा- खेल और फिटनेस का महत्व क्या भारत में जरुरी है तथा भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों डिजीटल इण्डिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, बेटी बच. ाओ-बेटी पढाओ, स्किल इण्डिया, गतिशील भारत, इन्द्रधनुष (प्रतिरक्षण कार्यक्रम) और आयुष्मान भारत, नदी और भूमि संरक्षण एवं नमामि गंगे आदि को शामिल किया गया है।

नाभिकीय प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग एवं जल समस्या निराकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में आगामी 3-5 फरवरी के बीच नाभिकीय प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग एवं जल समस्या नि. राकरण विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

इस संगोष्ठी का अयोजन हिन्दी विज्ञान साहित्य परिषद भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र मुम्बई के सहयोग से किया जा रहा है। संगोष्ठी में मुख्य रुप से कृषि एवं खाद्य पदार्थ, सामाजिक समृद्धि, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, उद्योगों के अनुप्रयोग, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र द्वारा समाज कल्याण के लिए विकसित प्रौद्योगिकी, नाभिकीय ऊर्जा, जल समस्या निष्पादन एवं पेयजल की उपलब्धता पर चर्चा की जाएगी।

विश्वविद्यालय से एनटीए यूजीसी नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण विद्यार्थी

कॉमर्स

सिखा सोनी	नेट
तारु साहू	नेट

ललितकला

शुभम राजपूत	नेट

शिक्षाशास्त्र

अनुराधा सिंह	नेट
निशा किरण	नेट

जूलॉजी

प्रवीण गुप्ता	नेट

समाजकार्य

पवन कुमार	जेआरएफ
दीपक कुमार	नेट
रमीश कुमार	नेट

पर्यटन एवं होटल प्रबंध

आयुष सक्सेना	जेआरएफ
पारुल गुप्ता	जेआरएफ
केतन भट्ट	नेट

माइक्रबॉयोलॉजी

रिया वर्मा	नेट
कविता	नेट

सुविधाएं विकसित करने पर रहेगा जोर

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. सी. बी. सिंह ने वर्ष 2019 में विद्यार्थियों के हित में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में सभी छात्रों से संबंधित सभी कार्य ऑनलाइन होते हैं, ऐसे में ऑनलाइन प्रक्रिया को सुलभ करने के लिए संस्थान द्वारा प्रयास किया जाएगा।

अधिष्ठाता संदेश

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर मे छात्राओं की लगभग 50 प्रतिशत संख्या होती है और छात्राएं परिसर ही रहना चाहती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि महिला छात्रावास का निर्माण आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं की दैनिक छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए जनरल स्टोर का व्यवस्था करना आवश्यक है। इसके साथ ही साथ विद्यार्थियों को प्रतिदिन दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाली खबरों पर चर्चा की जाएगी जिससे छात्र नित नई घट रही घटनाओं के बारे में जागरुक हो सकेंगे।